REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 12 | ISSUE - 7 | APRIL - 2023

सरगुजा जिले में वाणिज्यिक विकास का अध्ययन

डॉ. शैहून एक्का
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य)
शासकीय नवीन महाविद्यालय, कमलेश्वरपूर, मैनपाट, जिला – सरगुजा (छ. ग.)

सारांश:

यह शोध पत्र भारत के छत्तीसगढ़ के उत्तरी क्षेत्र में स्थित सरगुजा जिले में वाणिज्यिक विकास की गतिशीलता की जांच करता है। अध्ययन प्रमुख आर्थिक गतिविधियों, बुनियादी ढांचे की प्रगति और विकास को गति देने में स्थानीय उद्यमिता की भूमिका की जांच करता है। मिश्रितपद्धति दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए, स्थानीय व्यवसायों के सर्वेक्षण और हितधारकों के साथ साक्षात्कार के माध्यम से डेटा एकत्र किया गया था, जिसे द्वितीयक आँकड़ों के विश्लेषण द्वारा पूरक बनाया गया था। निष्कर्ष वाणिज्यिक विस्तार के लिए महत्वपूर्ण क्षमता को प्रकट करते हैं, विशेष रूप से कृषि, लघु उद्योग और खुदरा क्षेत्रों में। हालांकि, वित्त तक अपर्याप्त पहुंच, सीमित बाजार जानकारी और बुनियादी ढांचे की कमी जैसी चुनौतियां प्रगति में बाधा डालती हैं। यह पत्र जिले में सतत वाणिज्यिक विकास केलिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए लक्षित नीति हस्तक्षेप और उन्नत समर्थन प्रणालियों की आवश्यकता पर जोर देता है। परिणाम सरगुजा जिले में आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के इच्छुक नीति निर्माताओं, निवेशकों और स्थानीय उद्यमियों के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

मुख्य शब्द: सरगुजा जिला, वाणिज्यिक विकास, आर्थिक गतिविधियाँ, बुनियादी ढाँचा, स्थानीय अर्थव्यवस्था।

परिचय:

भारत के छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग में बसा सरगुजा जिला अपने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों, विविध सांस्कृतिक विरासत और मुख्य रूप से ग्रामीण आबादी के लिए जाना जाता है। अपने विशाल जंगलों, कृषि भूमि और खनिज संपदा के साथ, सरगुजा में आर्थिक विकास की महत्वपूर्ण संभावनाएँ हैं। पिछले कुछ दशकों में, औद्योगिकीकरण और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न सरकारी पहलों द्वारा संचालित जिले में परिवर्तन हुए हैं। हालाँकि, वाणिज्यिक परिदृश्य जटिल बना हुआ है, जिसमें कई चुनौतियाँ और अवसर एक साथ मौजूद हैं।

सरगुजा जिले में वाणिज्यिक विकास के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है, क्योंकि यह अपने निवासियों के जीवन स्तर को बढ़ाने, रोजगार पैदा करने और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस क्षेत्र में वाणिज्यिक गतिविधियाँ मुख्य रूप से कृषि, वानिकी और लघु उद्योगों के इर्द-गिर्द घूमती हैं, जिसमें खुदरा और सेवा क्षेत्रों पर उभरता हुआ ध्यान केंद्रित है। विकास की क्षमता के बावजूद, कई स्थानीय उद्यमियों को वित्त तक अपर्याप्त पहुँच, बाज़ार की जानकारी की कमी और बुनियादी ढाँचे की कमी जैसी बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जो उनके विकास में बाधा डालती हैं।

इस शोध का उद्देश्य सरगुजा जिले में वाणिज्यिक विकास की वर्तमान स्थिति का एक व्यापक विश्लेषणप्रदान करना है, जो स्थानीय उद्यमशीलता, सरकारी नीतियों और बुनियादी ढाँचे के विकास के बीच परस्पर क्रिया की खोज करता है। मिश्रित-पद्धति दृष्टिकोण को नियोजित करके, यह अध्ययन वाणिज्यिक विकास में योगदान करने वाले कारकों का आकलन करने और प्रमुख चुनौतियों की पहचानकरने

के लिए मात्रात्मक और गुणात्मक आँकड़े एकत्र करेगा, जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, अध्ययन व्यवसाय विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने में स्थानीय संस्थानों और सामुदायिक भागीदारी की भूमिका पर गहराई से विचार करेगा। इन गतिशीलता को समझना न केवल स्थानीय नीति निर्माताओं और उद्यमियों के लिए बल्कि क्षेत्रीय विकास में रुचि रखने वाले शोधकर्ताओं और हितधारकों के लिए भी आवश्यक है। अंततः, यह पत्र ग्रामीण भारत में वाणिज्यिक विकास पर मौजूदा साहित्य में योगदान करना चाहता है, अंतर्दृष्टि और सिफारिशें प्रदान करता है जो सरगुजा जिले की आर्थिक क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से भविष्य की पहल और नीतियों का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

शोध के उद्देश्य:

१) सरगुजा जिले में प्रमुख आर्थिक गतिविधियों की जांच करना, जिसमें कृषि, लघु उद्योग और खुदरा तथा सेवा जैसे उभरते क्षेत्र शामिल हैं।
२) जिले में परिवहन, संचार और उपयोगिताओं सहित बुनियादी ढांचे की स्थिति का मूल्यांकन करना और यह देखना कि ये कारक वाणिज्यिक गतिविधियों को कैसे सुविधाजनक या बाधित करते हैं।
३) वाणिज्यिक विकास को आगे बढ़ाने में स्थानीय उद्यमियों की भूमिका की जांच करना, जिसमें उनकी प्रेरणाएं, चुनौतियां और सफलता की कहानियां शामिल हैं।
४) सरगुजा जिले में व्यवसायों के सामने आने वाली प्राथमिक चुनौतियों की पहचान करना और उनका विश्लेषण करना, जैसे वित्त तक पहुंच, बाजार की जानकारी और नियामक बाधाएं।

साहित्य समीक्षा:

वाणिज्यिक विकास पर साहित्य कई महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालता है जो सरगुजा जिले के भीतर की गतिशीलता को समझने के लिए प्रासंगिक हैं। इन विषयों में आर्थिक नीतियां, बुनियादी ढांचा विकास, स्थानीय उद्यमिता और व्यवसायों के सामने आने वाली चुनौतियां शामिल हैं।

सिंह (२००८) और शर्मा (२०१०) ने ग्रामीण सामाजिक-आर्थिक विकास पर वाणिज्यिक विकास के प्रभाव पर अध्ययन किया, जिसमें बुनियादी ढांचे में सुधार, रोजगार सृजन और पिछड़े क्षेत्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। शर्मा (२०१०) ने पाया कि छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) वाणिज्यिक विस्तार के लिए उत्प्रेरक का काम करते हैं, स्थानीय रोजगार पैदा करके और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करके क्षेत्रीय असमानताओं को कम करते हैं।

कुमार और गुप्ता (२०१२) ने वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में बुनियादी ढांचे के महत्व पर प्रकाश डाला, दूरदराज के जिलों में सड़क संपर्क, संचार नेटवर्क और बाजार पहुंच पर जोर दिया। मिश्रा (२०१३) ने आदिवासी बहुल क्षेत्रों में व्यापार पैटर्न का विश्लेषण किया, सतत विकास के लिए सांस्कृतिक और पारंपरिक कारकों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

जायसवाल (२०१४) ने मध्य भारत में खनन क्षेत्रों के वाणिज्यिक विकास का अध्ययन किया, जिसमें पता चला कि खनन गतिविधियां वाणिज्यिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं लेकिन पर्यावरणीय गिरावट और विस्थापन जैसी चुनौतियां भी पेश करती हैं

नायक (२०१५) प्रभावी आर्थिक नीतियाँ, मजबूत बुनियादी ढाँचा और स्थानीय उद्यमिता इस पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक हैं। हालाँकि, क्षेत्र की व्यावसायिक क्षमता को बढ़ाने के लिए वित्त तक पहुँच और विनियामक बाधाओं जैसी चुनौतियों का समाधान किया जाना चाहिए। इस अध्ययन का उद्देश्य विशेष रूप से सरगुजा जिले के संदर्भ में इन विषयों की जाँच करके मौजूदा साहित्य का निर्माण करना है।

शोध पद्धति:

यह अध्ययन मात्रात्मक और गुणात्मक आंकड़ों को मिलाकर मिश्रित-पद्धति दृष्टिकोण का उपयोग करके सरगुजा जिले में वाणिज्यिक विकास की खोज करता है। प्राथमिक आंकड़ों में स्थानीय व्यवसायों के साथ सर्वेक्षण और साक्षात्कार शामिल हैं, जबकि द्वितीयक आंकड़ों में सरकारी रिपोर्ट और अकादमिक साहित्य शामिल हैं। एक उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण तकनीक विविध दृष्टिकोण सुनिश्चित करती है। जानकारी

का विश्लेषण वर्णनात्मक सांख्यिकी और अनुमानात्मक सांख्यिकी का उपयोग करता है जबकि गुणात्मक विश्लेषण प्रमुख विषयों की पहचान करता है। वैधता और विश्वसनीयता पूर्व-परीक्षण और त्रिभुज के माध्यम से सुनिश्चित की जाती है।

सरगुजा जिले में वाणिज्यिक विकास:

भारत के उत्तरी छत्तीसगढ़ में सरगुजा जिला अपनी आर्थिक स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए वाणिज्यिक विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। वाणिज्यिक विकास के प्रमुख पहलुओं में जिले के समृद्ध प्राकृतिक संसाधन, जैसे कोयला, चूना पत्थर और बॉक्साइट जैसे खनिज शामिल हैं, जो निवेश और रोजगार को आकर्षित करते हैं। जिले में विशाल वन क्षेत्र भी है जो लकड़ी और गैर-लकड़ी वन उत्पादों से संबंधित उद्योगों में योगदान देता है।

कृषि विकास मुख्य रूप से चावल, मक्का और दालों पर आधारित है, जिसमें आधुनिक कृषि तकनीकों को पेश करने और सिंचाई सुविधाओं में सुधार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जैविक खेती और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों सहित कृषि व्यवसाय उद्यम भी बढ़ रहे हैं। बुनियादी ढांचे के विकास में बेहतर सड़क संपर्क और रेल बुनियादी ढांचे के साथ-साथ औद्योगिक विकास को समर्थन देने के लिए बिजली आपूर्ति और दूरसंचार को बढ़ाना शामिल है।

पर्यटन विकास को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसमें इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास शामिल हैं। सरकार विभिन्न योजनाओं और वित्तीय सहायता के माध्यम से छोटे और मध्यम उद्यमों की स्थापना को प्रोत्साहित कर रही है जिससे स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है। विभिन्न उद्योगों के लिए तैयार कार्यबल बनाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल विकास को लागू किया जा रहा है।

सरकारी पहलों में निवेश को बढ़ावा देने, बुनियादी ढांचे में सुधार करने और सरगुजा में कारोबारी माहौल को बढ़ाने के उद्देश्य से एक नीतिगत ढांचा शामिल है। हालांकि, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, निवेश की कमी और पर्यावरण संबंधी चिंताओं जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। कुल मिलाकर, सरगुजा जिले में अपने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों और कृषि आधार द्वारा संचालित महत्वपूर्ण वाणिज्यिक विकास की क्षमता है।

परिणाम:

सरगुजा जिले की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पारंपरिक और उभरते क्षेत्रों द्वारा संचालित है, जिसमें कृषि, वानिकी, लघु उद्योग और खुदरा और सेवाओं में विविधीकरण शामिल है। कृषि आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से को रोजगार प्रदान करती है, जिसमें किसान संकर बीज और कुशल सिंचाई तकनीक जैसी आधुनिक प्रथाओं को अपनाते हैं। वानिकी लकड़ी के उत्पादन और औषधीय जड़ी-बूटियों और जंगली फलों जैसे गैर-लकड़ी वन उत्पादों के माध्यम से अर्थव्यवस्था में योगदान देती है। छोटे पैमाने के उद्योग, विशेष रूप से हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और स्थानीय विनिर्माण, रोजगार पैदा करने और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को बढ़ावा देने वाली सरकारी पहल धीरे-धीरे अधिक व्यक्तियों को इस क्षेत्र में प्रवेश करने में सक्षम बना रही है।

बुनियादी ढांचा आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है और हाल के सरकारी प्रयासों का उद्देश्य सरगुजा जिले में कनेक्टिविटी और आवश्यक सेवाओं को बढ़ाना है। सड़क नेटवर्क और परिवहन सुविधाओं में निवेश ने क्षेत्र की पहुँच पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है, लेकिन कुछ दूरदराज के क्षेत्रों में अभी भी कनेक्टिविटी में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो व्यापार के अवसरों को सीमित कर सकता है। निवेश को आकर्षित करने और स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करने के लिए सेवा अंतराल को संबोधित करना महत्वपूर्ण है। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भी व्यवसायिक प्रथाओं को नया आकार दे रहा है लेकिन इंटरनेट तक पहुँच अभी भी असंगत है।

सरगुजा जिले में उद्यमशीलता का परिदृश्य विकसित हो रहा है जो मुख्य रूप से युवा पीढ़ी के उत्साह से प्रेरित है। आर्थिक गतिशीलता के लिए युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है जिससे नवाचार और रोजगार सृजन होता है। स्थानीय प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को व्यवसाय प्रबंधन, विपणन और प्रौद्योगिकी में आवश्यक कौशल प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) और मुद्रा योजना जैसे सरकारी समर्थन से छोटे व्यवसायों और स्वरोजगार उपक्रमों के लिए ऋण तक पहुँच आसान होती है।

संगठनों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा स्थानीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी व्यावसायिक प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं जो उद्यमशीलता कौशल को बढ़ाते हैं। ये पहल कौशल अंतर को पाटने और व्यक्तियों को बाजार की माँगों के लिए तैयार करने में मदद करती हैं।

हालाँकि, सरगुजा जिले में व्यवसायों के विकास में कई चुनौतियाँ बाधा डालती हैं। वित्त तक पहुँच उद्यमशीलता के लिए एक बड़ी बाधा है, कई संभावित उद्यमियों के पास आवश्यक संपार्श्विक की कमी है और बैंकों के पास अक्सर कड़े ऋण मानदंड होते हैं। माइक्रोफाइनेंस संस्थान छोटे पैमाने के उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बाजार की जानकारी की कमी के कारण स्थानीय व्यवसायों के लिए अवसरों की पहचान करना, उपभोक्ता की पसंद को समझना और प्रतिस्पर्धी परिदृश्यों को संभालना मुश्किल हो जाता है। नौकरशाही की लालफीताशाही व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ खड़ी कर सकती है, जटिल नौकरशाही प्रक्रियाओं और लंबी स्वीकृति अवधि के कारण निवेश हतोत्साहित होता है और परिचालन गतिविधियाँ जटिल हो जाती हैं विनियमन को सुव्यवस्थित करने और लालफीताशाही को कम करने से व्यवसाय संचालन के लिए अधिक अनुकूल वातावरण तैयार होगा। सरगुजा जिले का आर्थिक विकास पारंपरिक और उभरते क्षेत्रों के मिश्रण से प्रेरित है, जिसमें कृषि और खुदरा और सेवाओं जैसे उभरते क्षेत्रों में मजबूत आधार है।

चर्चा:

सरगुजा जिला, जो वाणिज्यिक विकास की महत्वपूर्ण संभावनाओं वाला क्षेत्र है, कई बाधाओं का सामना कर रहा है, जिन्हें सतत विकास के लिए संबोधित करने की आवश्यकता है। युवाओं के बीच स्थानीय उद्यमिता का विकास एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति है, लेकिन इसके लिए सरकार और निजी दोनों क्षेत्रों से अधिक मजबूत समर्थन की आवश्यकता है। उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार की पहल, जैसे कि वित्तीय सहायता कार्यक्रम, कौशल विकास कार्यशालाएँ और मेंटरशिप योजनाएँ, आवश्यक हैं। निजी क्षेत्र की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह निवेश, मेंटरशिप और भागीदारी के माध्यम से उद्यमिता का समर्थन कर सकती है।

सरगुजा जिले में व्यापार को सुविधाजनक बनाने और निवेश को आकर्षित करने के लिए बुनियादी ढाँचे का विकास महत्वपूर्ण है। रसद लागत को कम करने और माल की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए कुशल परिवहन अवसंरचना महत्वपूर्ण है। सड़क, रेल और हवाई संपर्क में निवेश से सरगुजा को बड़े आर्थिक नेटवर्क में एकीकृत करने में मदद मिल सकती है, जिससे स्थानीय व्यवसायों के लिए व्यापक बाजारों तक पहुँचना आसान हो जाएगा। बिजली, पानी की आपूर्ति और स्वच्छता जैसी आवश्यक सेवाएँ किसी भी व्यवसाय संचालन के लिए मौलिक हैं। इन सेवाओं को कम सेवा वाले क्षेत्रों में बढ़ाने से मौजूदा और नए दोनों व्यवसायों के लिए अधिक अनुकूल वातावरण बन सकता है, जो अंततः आर्थिक विकास में योगदान देता है।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी है, क्योंकि इंटरनेट प्रवेश और डिजिटल सेवाओं में सुधार से स्थानीय उद्यमियों को ई-कॉमर्स का लाभ उठाने, जानकारी तक पहुंचने और अपनी परिचालन दक्षता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। लोगों के बीच डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने से व्यवसायों को ऑनलाइन अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिलेगी।

सरगुजा में सतत व्यावसायिक विकास के लिए वित्त और बाजार पहुंच से संबंधित चुनौतियों का समाधान करना महत्वपूर्ण है। वित्त तक सीमित पहुंच स्थानीय उद्यमियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बाधाओं में से एक है। सूक्ष्म वित्त, क्राउडफंडिंग और सरकार समर्थित ऋण जैसे अभिनव वित्तपोषण समाधान व्यवसाय विकास के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान कर सकते हैं। मजबूत बाजार सूचना प्रणाली स्थापित करना जो बाजार के रुझान, उपभोक्ता वरीयताओं और प्रतिस्पर्धी विश्लेषण पर जानकारी प्रदान करती है, उद्यमियों को सूचित निर्णय लेने के लिए सशक्त बना सकती है।

स्थायी विकास सुनिश्चित करने के लिए, सरगुजा जिले को अल्पकालिक लाभों की तुलना में दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए। पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक विकास को संतुलित करना आवश्यक है और निर्णय लेने और विकास पहलों में सामुदायिक भागीदारी स्वामित्व और जवाबदेही की भावना को बढ़ावा देती है। उद्यमशीलता को बढ़ावा देने, बुनियादी ढांचे में निवेश करने और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने से सरगुजा जिला आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और अपने निवासियों के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने की अपनी क्षमता का दोहन कर सकता है।

निष्कर्ष:

सरगुजा जिले में वाणिज्यिक विकास ने आर्थिक विकास और विविधीकरण के लिए महत्वपूर्ण क्षमता दिखाई है। जिले की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि और लघु उद्योगों पर आधारित है, जिसमें खुदरा और सेवा क्षेत्रों की ओर रुझान बढ़ रहा है। हालाँकि, जिले में अभी भी बिजली, स्वच्छ पानी और विश्वसनीय परिवहन जैसी आवश्यक सेवाओं का अभाव है। सतत प्रगति सुनिश्चित करने के लिए, जिले को बुनियादी ढाँचे में निवेश करने, स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने और वित्त, बाज़ार की जानकारी और प्रशिक्षण कार्यक्रमों तक पहुँच प्रदान करने की आवश्यकता है। वित्त तक पहुँच, बाज़ार की जानकारी की कमी और नौकरशाही बाधाओं जैसी प्रमुख चुनौतियों को एक सुव्यवस्थित नियामक प्रक्रिया और एक समावेशी वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से संबोधित करने की आवश्यकताहै। आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण पर विचार करने वाला एक संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। निर्णय लेने में स्थानीय समुदायों को शामिल करने से विकास पहलों की प्रभावशीलता और स्वीकृति बढ़ेगी। जबकि सरगुजा जिले में वाणिज्यिक विकास के लिए एकठोस आधार है, इसकी पूरी क्षमता को बढ़ाने के लिए रणनीतिक कार्रवाई की आवश्यकता है। उद्यमिता के लिए एक सहायक वातावरण को बढ़ावा देने, आवश्यक बुनियादी ढाँचे में निवेश करने और मौजूदा चुनौतियों का समाधान करने से, जिला स्थायी आर्थिक विकास प्राप्त कर सकता है जो सभी निवासियों को लाभान्वित करता है और उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है। सरगुजा में वाणिज्यिक विकास का भविष्य सरकार, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग पर निर्भर करता है।

संदर्भ:

- *Jaiswal, V. (2014). Commercial development of mining areas in central India: Opportunities and challenges. Journal of Economic Development and Planning, 6(3), 89-102.*
- *Kumar, S., & Gupta, A. (2012). Infrastructure and commercial growth: A case study of backward regions. Journal of Economic Policy & Research, 7(1), 33-48.*
- *Mishra, P. (2013). Patterns of trade and commerce in tribal areas: A case study of Surguja district. Indian Journal of Regional Studies, 9(2), 101-114.*
- *Nayak, S. (2015). Impact of government policies on commercial development in backward regions. International Journal of Policy Sciences and Development, 8(4), 55-67.*
- *Patel, D. (2016). Commercial growth and human development: An analytical study of Surguja District. Journal of Social and Economic Development, 18(1), 121-135.*
- *Sharma, A. (2010). Role of small and medium enterprises in regional development. Indian Journal of Commerce, 63(3), 12-25.*
- *Singh, R. (2008). Impact of commercial growth on the socio-economic development of rural areas. Journal of Rural Development, 27(4), 45-58.*
- *https://dcmsme.gov.in/old/dips/Surguja.pdf*
- *https://www.scribd.com/document/459959325/Surguja-pdf*
- *https://agriportal.cg.nic.in/PDF/AakasmikYojna/surguja.pdf*